

क्षेत्रीय नियोजन (Regional Planning) भूगोल की एक महत्वपूर्ण शाखा है, जिसका उद्देश्य किसी विशेष क्षेत्र के समग्र और संतुलित विकास की योजना बनाना होता है। यह प्रक्रिया प्राकृतिक संसाधनों, जनसंख्या, आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक संरचना तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए की जाती है।

भूगोल में प्रत्येक क्षेत्र अपनी भौतिक, सामाजिक और आर्थिक विशेषताओं के कारण अन्य क्षेत्रों से भिन्न होता है। इसी भिन्नता को समझकर उस क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार विकास योजनाएँ तैयार करना ही क्षेत्रीय नियोजन कहलाता है।

क्षेत्रीय नियोजन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना, संसाधनों का उचित उपयोग करना तथा सतत (Sustainable) विकास को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से उद्योग, कृषि, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी सुविधाओं का संतुलित वितरण सुनिश्चित किया जाता है।

यह केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण तथा राष्ट्रीय एकता को भी सुदृढ़ करता है।

इस प्रकार, क्षेत्रीय नियोजन भूगोल में एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो किसी देश या राज्य के समग्र और संतुलित विकास के लिए आवश्यक है।

क्षेत्रीय नियोजन (Regional Planning) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से किसी क्षेत्र के प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संसाधनों का संतुलित एवं व्यवस्थित विकास किया जाता है। भूगोल में क्षेत्रीय नियोजन का विशेष महत्व है क्योंकि यह विभिन्न क्षेत्रों के बीच असमानताओं को समझने और उन्हें कम करने में सहायता करता है।

क्षेत्रीय नियोजन की आवश्यकता:

1. क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना:

देश के विभिन्न भागों में विकास का स्तर समान नहीं होता। कुछ क्षेत्र अत्यधिक विकसित होते हैं जबकि कुछ पिछड़े रह जाते हैं। क्षेत्रीय नियोजन द्वारा इन असमानताओं को कम किया जा सकता है।

2. संसाधनों का उचित उपयोग:

प्रत्येक क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन भिन्न होते हैं। क्षेत्रीय नियोजन के माध्यम से इन संसाधनों का वैज्ञानिक और संतुलित उपयोग सुनिश्चित किया जाता है।

3. संतुलित आर्थिक विकास:

केवल कुछ शहरों या क्षेत्रों में उद्योग और सेवाओं का विकास होने से जनसंख्या का दबाव बढ़ता है। क्षेत्रीय नियोजन से उद्योगों और रोजगार के अवसरों का वितरण संतुलित रूप से किया जा सकता है।

#### 4. पर्यावरण संरक्षण:

असंयोजित विकास से पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। क्षेत्रीय नियोजन पर्यावरण के अनुकूल विकास की दिशा प्रदान करता है।

#### 5. शहरीकरण की समस्याओं का समाधान:

तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण आवास, परिवहन, जल आपूर्ति आदि समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। क्षेत्रीय नियोजन इन समस्याओं के समाधान में सहायक होता है।

#### 6. ग्रामीण विकास को बढ़ावा:

क्षेत्रीय नियोजन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाता है, जिससे ग्रामीण-शहरी अंतर कम होता है।

#### 7. सामाजिक न्याय:

क्षेत्रीय नियोजन से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सुविधाओं का समान वितरण संभव होता है, जिससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलता है।

#### 8. राष्ट्रीय एकता और समेकन:

जब सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास होता है, तो क्षेत्रीय असंतोष कम होता है और national एकता मजबूत होती है।

#### निष्कर्ष:

भूगोल में क्षेत्रीय नियोजन का महत्व अत्यंत व्यापक है। यह न केवल संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग को सुनिश्चित करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संतुलन स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सतत विकास के लिए क्षेत्रीय नियोजन अनिवार्य है।